(घ) क्या किसानों को रासायनिक उर्वरक और खाद सस्ते मूल्यों पर उपलब्ध कराने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ?

कृषि मंत्रालय में कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाना) : (क) उर्वरकों के विक्रय मूल्य प्रदर्शित करने वाला एक विवरण संलग्न है। [देखिए परिशिष्ट CXLIV, अनुपत्र सं० 95]

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में हुए उर्वरकों का उत्पादन तथा उसकी खपत नीचे दी गयी है :—

(एन+पी+के लाख मीटरी टन में)

वर्ष	उत्पादन	खपत
1984–85	51.81	82.11
1985–86	57.56	87.37 (अनुमानित)
1986–87	70.70	87.38

(ग) जी नहीं। 1–10–1987 को लगभग 36 लाख मीटरी टन उर्वरकों के पोषक तत्वों का भंडार बिना बिका पड़ा हुआ था।

(घ) जी नहीं।

आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों में कमी किया जाना

2151. **श्रीमती रेणुका चौधरी** : क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री 6 नवम्बर, 1987 को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न 7 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने राज्यों के मुख्य मंत्रियों और संघ शासित क्षेत्रों के उपराज्यपालों को आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों को कम किये जाने के संबंध में किए गए अनुरोध की बाबत हुई प्रगति का जायजा लिया है ; और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ?

संसदीय कार्य मंत्री तथा खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री एच० के० एल० भगत) : (क) और (ख) : आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि को रोकने तथा उनकी आपूर्ति में सुधार लाने के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा की जाने वाली कार्यवाही में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। अब तक प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष अगस्त से विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में उचित दर की 2961 अतिरिक्त दुकानें खोली गई हैं। इसके अलावा, सूखा ग्रस्त राज्यों में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करने के लिए 219 चलती-फिरती वैनें काम कर रही हैं। राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने, जैसाकि केन्द्रीय सरकार द्वारा सलाह दी गई थी, आमतौर पर जमाखोरी-विरोधी अभियान को तेज कर दिया है। उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, अगस्त, 1987 से, विभिन्न राज्यों में 31,865 छापे मारे गए हैं, 1198 व्यक्ति गिरफ्तार किये गए हैं, 1297 मुकदमे चलाए गए हैं तथा 11 करोड़ रु० से अधिक मूल्य की वस्तुएं जब्त की गई हैं। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र भी, केन्द्रीय सरकार द्वारा दी गई सलाह के अनुरूप आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता तथा उनके मूल्यों की लगातार पुनरीक्षा कर रहे हैं।

Canadian assistance for nylon nets

2152. SHRI K. VASUDEVA PANICKER: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the Indian fishery co-operative have received Canadian aid for producing cheaper and better nylon nets; and

(b) if so, what are the details thereof?